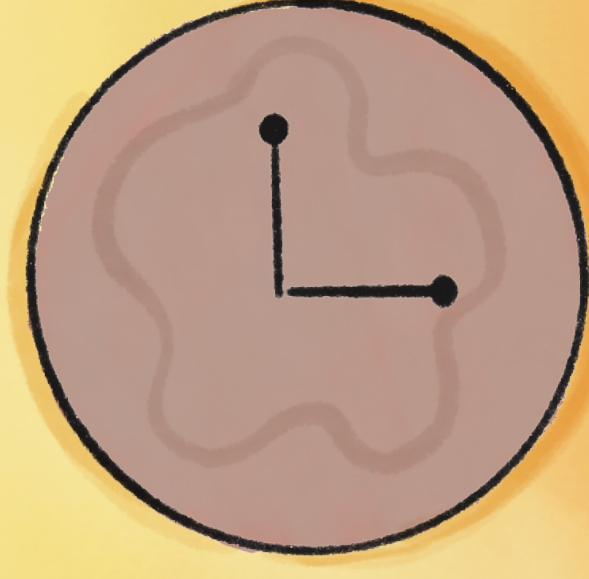


माँ की अलमारी



माँ दिखलाओ, अपनी अलमारी,
देखें कितनी हैं, उसमें साड़ी!

माँ बोली— है भरा खज़ाना,
गिनकर तुम मुझको बतलाना।

साड़ियों का भरा भंडार,
एक, दो, तीन, चार।

पाँच, छह, सात, आठ,
उस गठरी की भी खोलो गाँठ!

खोली गठरी मिल गई साड़ी,
गिन ली उनमें से भी सारी!

नौ, दस और अब बस,
बस, बस! ये हैं कुल दस।

हँसकर तब बोली माँ प्यारी,
छान ली अम्मा की अलमारी!



प्रारंभिक शिक्षा विभाग
Department of Elementary Education

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

संकल्पना — सुनीति सनवाल

रचनाकार — अंजली

चित्रांकन — सान्या जैन

21165

₹ 30.00

CC-BY-NC-SA